Prajapita Brahma Kumaris IshwariyaVishwaVidyalaya
Rajyoga Bhawan, Sector 33-A,Chandigarh,
Ph. 2601339, Mob. 9417777656

ब्रह्माकुमारीज़ का ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेला सम्पन्न

चण्डीगढ़, 6.10.2009–आध्यात्मिकता को अपनाने, खुशनुमः जीवन जीने व मानवीय मूल्यों को जीवन में उतारने का सन्देश देता हुआ सैक्टर–34 में 5 दिवसीय ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेला सम्पन्न हो गया । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस भव्य मेले में चण्डीगढ, मोहाली व पंचकूला के साथ साथ पंजाब व हरियाणा से भी हजारों लोगों ने प्रतिदिन एक ही छत के नीचे शिव के अति प्राचीन 12 ज्योतिर्लिंगम तीर्थ स्थानों के एक साथ दर्शन किए । दर्शन करने के पश्चात लोगों को चरित्र निर्माण, नैतिक व मानवीय मूल्यों का महत्व, राजयोग के द्वारा आध्यात्मिक सशक्तिकरण तथा संसार की मुलभूत पहेलियों कि, मैं कौन हूँ, मेरा पिता परमात्मा कौन है, इस सृष्टि चक्र में क्या समय चल रहा है तथा मुझे क्या करना है, की जानकारी अनेक चित्रों व माडलों के माध्यम से दी गई।

मेले के अन्तिम दिन सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम.एम. पंछी, पंजाब के एडवोकेट एच.एस.मत्तेवाल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस आशुतोष मोहन्ते, हरियाणा शुगर फैड के मैनेजिंग डायरैक्टर जे.पी.कौशिक, आई.ए.एस. आफिसर अनुराग वर्मा, पूर्व जस्टिस जी.आर. मजीठिया सहित अनेक गणमान्य लोग मेले में पधारे ।

स्प्रीच्युअल क्लीनिक द्वारा मिला मार्गदर्शन –सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने मेले के दांये ओर लगाए गए स्प्रीच्युअल क्लीनिक नाम के स्टाल पर पहूँचकर टैंशन, डिप्रेशन, बिगड़ते रिश्तों इत्यादि से सम्बन्धित समस्याओं का निदान पाने के लिए मार्गदर्शन लिया । बहुत से लोगों ने अनुभूति कक्ष में जाकर मैडिटेशन कमैन्टरी व राजयोग के प्रवचनों का भी लुफत उठाया । कुछ लोगों ने विडिओ शो भी देखा ।

शाम के समय चैतन्य देवियों की झांकियों के दर्शन के लिए तो भारी भीड़ प्रतिदिन देखने को मिली । ब्रह्माकुमारी बहनों ने चैतन्य देवियॉ बनकर लोगों के बीच मैडिटेशन के द्वारा समस्त विश्व को सुख–शान्ति के प्रकम्पन पहूँचाएं । बहुत से लोग तो यकीन नहीं कर पा रहे थे कि ये जड़ मूर्तियॉ हैं या चैतन्य देवियॉ ।

लोगों को प्रशाद व वरदानों के कार्ड भी बांटे गए । संस्था के 500 से भी अधिक भाई–बहनों ने रात–दिन मेहनत कर मेले को सफल बनाया । युवाओं के पण्डाल यूथ प्वाईंट पर बहुत से नौजवानों को नशे छोड़ने तथा अन्य समस्याओं के समाधान दिए गए । छोटे बच्चों ने मूल्यों पर आधारित गेम्ज़ का भी आनन्द उठाया ।

आयोजकों के द्वारा प्रदर्शनी में लोगों के मार्गदर्शन के लिए सैकड़ों गाईडस को तैनात किया गया था । हजारों लोगों ने 8 अक्तूबर से राजयोग भवन, सैक्टर–33 में आरम्भ हो रहे निःशुल्क मैडिटेशन शिविर के लिए भी रजिस्ट्रेशन करवाया ।

कैसा हो मेरे सपनों का संसार––लगभग 2000 से भी अधिक लोगों ने कैसा हो मेरे सपनों का भारत व संसार पर अपने विचार लिख कर चिपकाए । सैक्टर–35 के पंकज ने लिखा था मेरे सपनों का संसार हरा–भरा हो । अम्बाला से आई प्रीति ने लिखा कि सभी एक–दूसरे के साथ मिलजुल का रहें । मोहाली फ़ेस–7 से आए गुरप्रीत सिंह ने लिखा था कि मेरे भारत में सब लोग निरोगी हों, कोई भी परेशान न हो और सब खुश रहें । सैक्टर–10 की स्वाति के अनुसार संसार में खुशहाली व समृद्धि होनी चाहिए । सैक्टर–46 से आए सुरेन्द्र के अनुसार संसार नशा मुक्त और भेदभाव से परे हो । मैडिकल कालेज में पढ़ रही वन्दना गुप्ता के अनुसार हर व्यक्ति को जरूरत मन्द व्यक्ति की मदद करने वाला होना चाहिए । कविता के अनुसार संसार राजनेताओं के बिना हो । कुराली से आए सुखविन्द्र के अनुसार संसार भ्रष्टाचार से मुक्त तथा प्यार से सम्पन्न होना चाहिए ।

प्रो0 ओंकार चन्द | ब्रह्मकुमारी अचल दीदी
मीडिया संयोजक–9417777656 | ज़ोनल प्रमुख